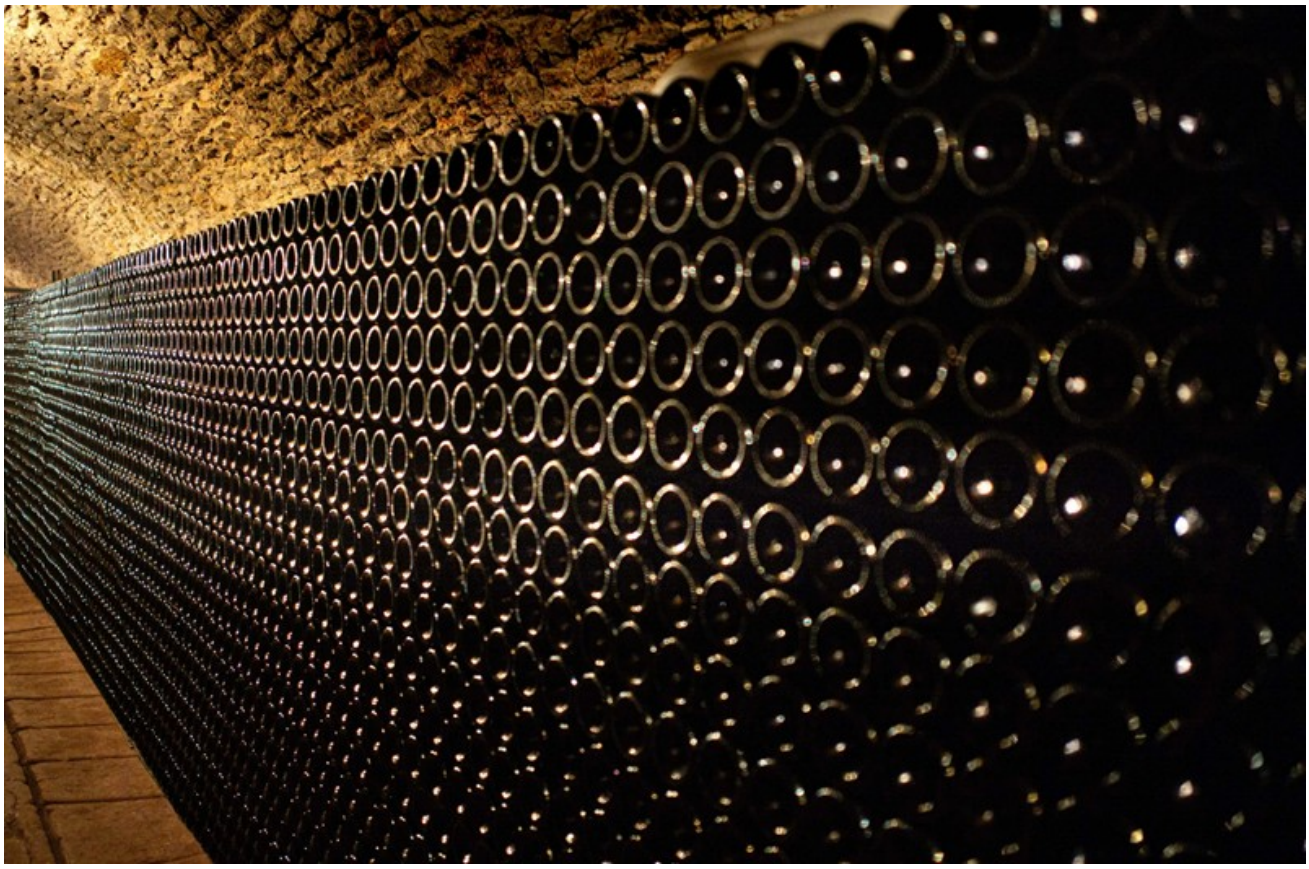
vinetur

इटली की लीग पार्टी ने बिना बिके स्टॉक से दबाव झेल रही वाइन सहकारी समितियों के लिए 12 महीने तक कर्ज़ भुगतान रोकने का प्रस्ताव दिया

बजट संशोधन के तहत पात्र उत्पादक पहले सहकारी सदस्यों को भुगतान कर सकेंगे, जिससे कमजोर बैलेंस शीट और बिना बिके स्टॉक का दबाव घटेगा

शनिवार, 21 नवंबर 2026



इटली की लीग पार्टी ने शुक्रवार, 20 नवंबर को वाइन क्षेत्र के कुछ हिस्सों के लिए कर्ज़ भुगतान पर 12 महीने की रोक लगाने का प्रस्ताव दिया। पार्टी ने कहा कि इस कदम का मकसद बिना बिके स्टॉक और कमजोर बैलेंस शीट के कारण नकदी के दबाव का सामना कर रही सहकारी समितियों और वाइनरी की मदद करना है।

निचले सदन में पार्टी के नेता रिकार्डो मोलिनारी ने बजट विधेयक पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस प्रस्ताव की घोषणा की। ANSA के अनुसार, उन्होंने कहा कि संशोधन के तहत सामाजिक वाइनरी यानी वाइन सहकारी समितियों और उन कंपनियों के कर्ज़ भुगतान रोक दिए जाएंगे जिनकी ऋण स्थिति बिगड़ चुकी है और जिनके पास वाइन का ऐसा भंडार है जिसे वे अब तक बेच नहीं पाई हैं।

मोलिनारी ने कहा कि इसका उद्देश्य इन कारोबारों को कर्ज़ चुकाने से पहले सहकारी समिति के सदस्यों को भुगतान करने की प्राथमिकता देना है। उन्होंने इस प्रस्ताव को कृषि क्षेत्रों में पैदा हुई, उनके शब्दों में, वस्तुगत आपात स्थिति से निपटने के लिए बनाया गया "शून्य-लागत" उपाय बताया।

मोलिनारी की ओर से बताए गए इस प्रस्ताव को लीग ने इटली के बजट पैकेज में पेश किए गए संशोधनों में शामिल किया है। फिलहाल यह अंतिम नीति नहीं है और इसे व्यापक बजट उपाय से जुड़ी विधायी प्रक्रिया से गुजरना होगा।

इस घोषणा से इटली के वाइन उद्योग के कुछ हिस्सों में वित्तीय दबाव का संकेत मिलता है। कुछ उत्पादक और सहकारी समितियां ऐसे स्टॉक से जूझ रही हैं जो बिक नहीं पाया है, जबकि उनके लिए कर्ज़ हासिल करना भी कठिन होता जा रहा है। अगर मंज़ूरी मिलती है, तो कर्ज़ भुगतान पर अस्थायी रोक कुछ कारोबारों को अल्पकालिक नकदी जरूरतों का प्रबंधन करने के लिए अधिक गुंजाइश दे सकती है। पेय क्षेत्र में यह अहम हो सकता है, क्योंकि सहकारी समितियों को अक्सर अंगूर उत्पादकों और अन्य सदस्यों को भुगतान के लिए नकदी की जरूरत होती है। वाइन भंडारण में रहने के दौरान भुगतान पर रोक उन्हें ये भुगतान जारी रखने में मदद कर सकती है।

मोलिनारी ने कहा कि यह संशोधन चुनिंदा कारोबारों के लिए है, पूरे क्षेत्र के लिए नहीं। उन्होंने खास तौर पर उन सहकारी समितियों और कंपनियों का उल्लेख किया जिनकी ऋण स्थिति मुश्किल में है और जिनका भंडार अब भी बाजार में नहीं बिक पाया है। इससे संकेत मिलता है कि लीग राहत को पूरे वाइन कारोबार तक फैलाने के बजाय क्षेत्र के उन हिस्सों पर केंद्रित करना चाहती है जो सबसे तात्कालिक वित्तीय दबाव में हैं।

यह प्रस्ताव इटली के वार्षिक बजट कानून के ज़रिए कृषि को समर्थन देने के व्यापक विमर्श के बीच आया है। वाइन संबंधी उपाय के साथ ही मोलिनारी ने कहा कि लीग ने Agriculture 4.0 कार्यक्रम के लिए दो वर्षों में €40 million की अतिरिक्त राशि देने का एक और संशोधन भी पेश किया है।

उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कार्यक्रम के तहत निवेश करने के बाद खेतों और कृषि कारोबारों को अपने पास से अधिक रकम न लगानी पड़े, क्योंकि बजट में उपलब्ध संसाधन उन उम्मीदों से कम पड़ सकते हैं जो नियमों से बनी थीं। इस कार्यक्रम का मकसद कृषि में निवेश और आधुनिकीकरण को समर्थन देना है।

दोनों प्रस्तावों को साथ देखें तो पता चलता है कि लीग का ध्यान वाइन उद्योग के तात्कालिक वित्तीय दबाव और कृषि कारोबारों के लिए दीर्घकालिक निवेश समर्थन, दोनों पर है। कर्ज़ भुगतान स्थगित करने का प्रस्ताव नकदी और ऋण चुकाने से जुड़ा है, जबकि Agriculture 4.0 संशोधन पूंजी निवेश करने वाली कंपनियों के लिए वित्तपोषण में निश्चितता लाने के उद्देश्य से है।

ANSA की रिपोर्ट में सरकार, अन्य दलों, बैंकों या वाइन उद्योग संगठनों की प्रतिक्रियाएं शामिल नहीं थीं। इसमें यह भी नहीं बताया गया कि कितने कारोबार इस रोक के पात्र हो सकते हैं या इसे कैसे लागू किया जाएगा। रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि 12 महीने की रोक केवल मूलधन के भुगतान पर लागू होगी या मूलधन और ब्याज, दोनों पर।

इसके बावजूद, मोलिनारी के बताए अनुसार यह उपाय पात्र वाइनरी और सहकारी समितियों को अस्थायी राहत का स्पष्ट रास्ता देगा। बिना बिके वाइन स्टॉक और नकदी प्रवाह पर दबाव से जूझ रहे क्षेत्र में कर्ज़ भुगतान टालने से कारोबार अपनी परिचालन पूंजी बचा सकते हैं और संभावित रूप से कर्ज़ चुकाने तथा सहकारी ढांचे से जुड़े उत्पादकों को भुगतान करने के बीच का तनाव कम हो सकता है।

संसद में बजट पर होने वाली बहस तय करेगी कि यह संशोधन मौजूदा रूप में आगे बढ़ता है या अंतिम पैकेज पर विधायकों की बातचीत के दौरान इसमें बदलाव होता है।